

वर्षा आधारित खेती के लिए टिकाऊ एवं उन्नत कृषि तकनीक मॉडल



प्रसार निदेशालय

च०शे० आ० कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय,
कानपुर-208002

वर्षा आधारित खेती प्रबन्धन मॉडल

(जे० एस० मॉडल)

क्र० सं०	तकनीकी	तकनीकी प्रयोग एवं अभिनव	उचित तकनीकी समय
1.	जल संरक्षण	मेड़बन्दी, छोटे टुकड़े, गहरी जुताई	जून से सितम्बर
2.	नमी संरक्षण	उथली जुताई, कम्पोस्ट खाद मिलाना, निराई—गुड़ाई तथा मल्लिचंग	अक्टूबर से फसल पकने तक
3.	मृदा दशा सुधार (भौतिक, रसायन, जैविक)	गहरी जुताई (गर्मी में), गोबर व नाडेप कम्पोस्ट मिलाना, हरी खाद एवं जैव उर्वरक मिलाना।	प्रत्येक फसल बुआई के 20—25 दिन पूर्व
4.	बीज स्वावलम्बन (बीज उत्पादन)	उपयुक्त प्रजातियों का “बीज खेत तकनीक” से छोटे टुकड़े में बीज तैयार करना।	प्रत्येक फसल विशेषतया चना, मसूर, मटर का बीज उत्पादन रबी में

5.	फसल सुरक्षा	<ul style="list-style-type: none"> • मृदा जनित रोगों की सुरक्षा (मृदा एवं बीज उपचार) • कीट नियंत्रण विशेषतया कटुआ, फली छेदक, दीमक का बचाव 	बुवाई के समय प्रारम्भिक व लक्षण की अवस्था में
6.	पोषण सुरक्षा	•“पोषक रसोई बागवानी” द्वारा सब्जी, फल तैयार करना।	वर्ष भर
7.	पूँजी स्वावलम्बन	•स्वयं सहायता समूह गठन	निरन्तर
8.	पशु प्रबन्धन	•कम व उन्नत नस्ल के जुधारू पशुपालन बकरी पालन व नस्ल सुधार करने मुर्गी पालन व्यवसाय।	निरन्तर

उपरोक्त मॉडल का क्रियान्वयन पूर्णतया तकनीकी एवं सहभागी प्रबन्धन आधारित है।



वर्षा आधारित एवं टिकाऊ खेती हेतु सफल प्रबन्धन

(जल, प्रजाति, जीवांश प्रयोग प्रबन्धन की 8- तकनीक)



जल संरक्षण प्रबन्धन
(मोटी मेड़, छोटे खेत)

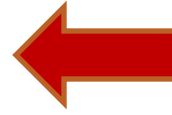


नमी संरक्षण
(हाथ में खुरपी, कांध कुदाल)

भूमि स्वास्थ्य संतुलन
(खेत चाहे पकी कम्पोस्ट)



बीज खेत तकनीक
(खेत जो चाहे वही प्रजाति)



फसल सुरक्षा
(खेत, खलिहान, भण्डार कीट मुक्त)



पशु प्रबन्धन
(कम पालो, उन्नत पालो)

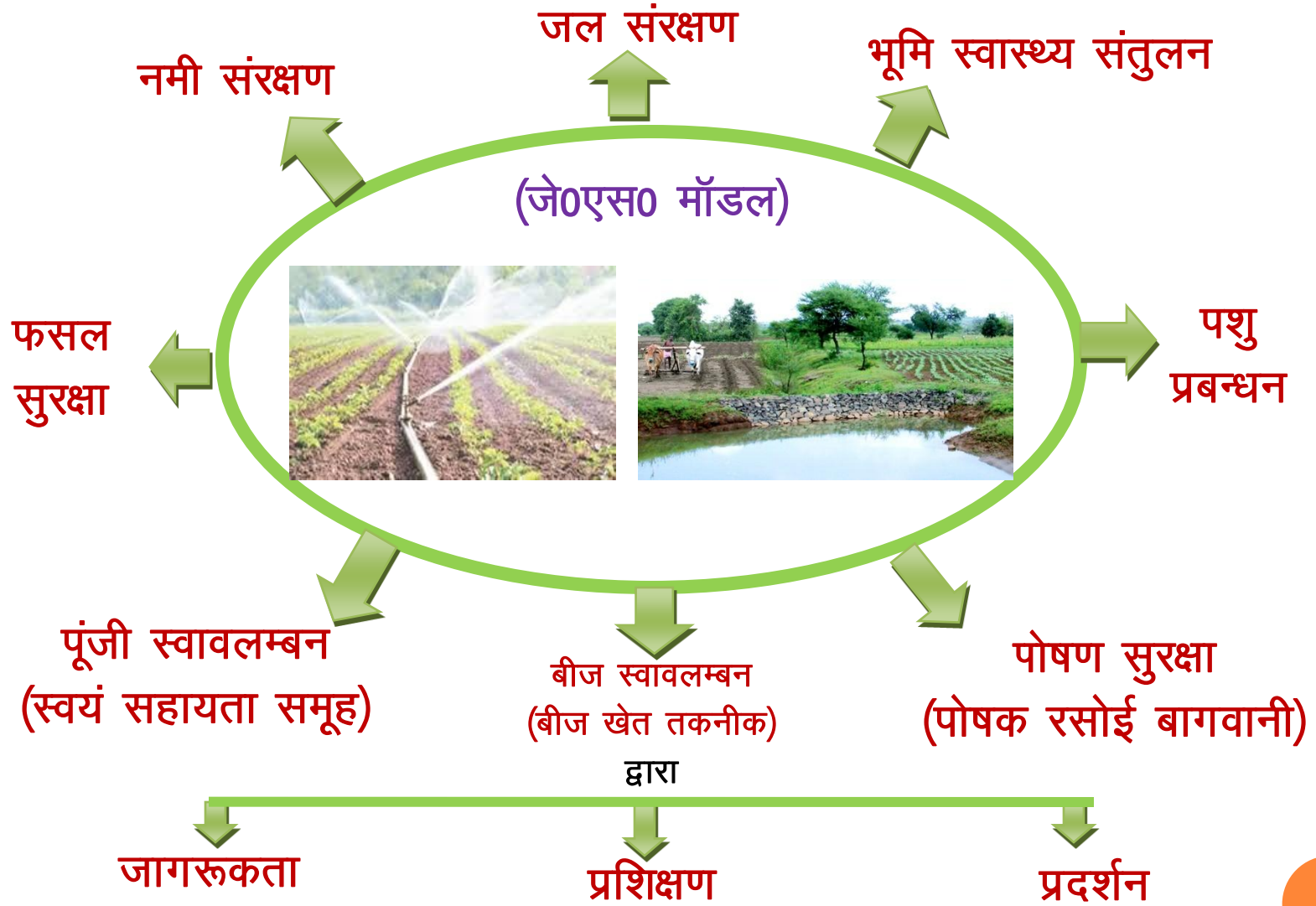


पूंजी स्वावलम्बन
(बचत खर्च का सही अनुपात)

पोषण सुरक्षा
(पोषक थाली, स्वास्थ्य आधार)



वर्षा आधारित खेती के लिए टिकाऊ एवं उन्नत कृषि तकनीक मॉडल



वर्षा आधारित एवं आयपरक स्वावलम्बी कृषि विकास हेतु तकनीकी मॉडल (जे0एस0मॉडल)



जल संरक्षण प्रबन्धन (मोटी मेड़, छोटे खेत)



बीज खेत तकनीक (खेत जो चाहे वही प्रजाति)



पूंजी स्वावलम्बन (बचत खर्च का सही अनुपात)



नमी संरक्षण (हाथ में खुरपी, कांध कुदाल)



फसल सुरक्षा (खेत, खलिहान, भण्डार कीट मुक्त)



पोषण सुरक्षा (पोषक थाली, स्वास्थ्य आधार)



भूमि स्वास्थ्य संतुलन (खेत चाहे पकी कम्पोस्ट)



पशु प्रबन्धन (कम पालो, उन्नत पालो)

**रोपो नीम, पालो गाय
कम लागत, अधिक आय**

डा0 जितेन्द्र सिंह

प्रसार निदेशालय

च0शे0 आजाद कृषि एवं प्रौ0वि0वि0,

कानपुर-02

मो0नं0 7839921977, 7318569732